साहित्य-समालोचना

[कविता, कहानी, रङ्गमञ्च तथा समालोचना—हिन्दी-साहित्य के इन मुख्य चार अंगों पर गम्भीर विवेचन]

लेखक—

वीर-हम्मीर, कुल-ललना, मधुवन, चाँदनी, स्वदेश-गान, चित्तौड़ की चिता, अभिशाप तथा चितवन आदि के रचयिता

प्रोफ़ेसर रामकुमारजी वर्मा एम्० ए०

प्रकाशक

साहित्य-मंदिर, दारागंज, प्रयाग ।

प्रथमवार] सं० १९८७ वि० [मूल्य १)